अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 58 | श्री विजय पुरम, शनिवार, 28 फ़रवरी 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

नई दिल्ली स्थित यूएसआई में माननीय उप राज्यपाल ने द्वीपों में परिवर्तनकारी अवसंरचना एवं सामरिक पहलों को किया रेखांकित

नई दिल्ली, 27 फरवरी

एडमिरल डी. के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.), माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी (आईडीए) ने आज नई दिल्ली स्थित यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन (यूएसआई) ऑफ इंडिया में एक व्यापक संबोधन दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने 'विकसित भारत' की परिकल्पना की दिशा में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की परिवर्तनकारी विकास यात्रा का विस्तृत उल्लेख किया। इस कार्यक्रम में थिंक टैंक, मीडिया प्रतिनिधि, शोधार्थी एवं संकाय सदस्यों सहित लगभग 250 लोग उपस्थित थे।

अपने संबोधन के दौरान माननीय उप राज्यपाल ने द्वीप विकास एजेंसी के तत्वावधान में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा संचालित वृहत् अवसंरचना एवं सामरिक विकास परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जिनका उद्देश्य द्वीपों की कनेक्टिविटी, समुद्री क्षमता, ऊर्जा सुरक्षा तथा पर्यटन संभावनाओं को सुदृढ़ करना है। उन्होंने सतही संपर्क में हुए महत्वपूर्ण सुधारों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग–4 के विस्तार एवं दोहरीकरण, आज़ाद हिंद फौज सेतु के पूर्णता तथा मिडिल स्ट्रेट पुल के निर्माण की चर्चा की। इन परियोजनाओं से अंतर–द्वीपीय आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होने तथा यात्रा समय आधे से भी कम होने की संभावना व्यक्त की गई।

डिजिटल अवसंरचना को सशक्त बनाने के लिए चेन्नई–अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह (सीएएनआई) सबमरीन केबल परियोजना के संचालन तथा दीघा से डिगलीपुर के बीच प्रस्तावित ऑप्टिकल फाइबर केबल रिडंडेंसी लिंक की पहल को भी प्राथमिकता दी गई है, जिससे विश्वसनीय एवं निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके।

विमानन क्षेत्र में माननीय उप राज्यपाल ने वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए एकीकृत टर्मिनल के उद्घाटन तथा कुआलालंपुर से एयर एशिया की ऐतिहासिक पहली उड़ान के आगमन का उल्लेख किया, जिसने अंतरराष्ट्रीय संपर्क का नया द्वार खोला है। अधिक प्रत्यक्ष विदेशी उड़ानों को आकर्षित करने हेतु एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ), लैंडिंग शुल्क एवं यूज़र डेवलपमेंट फीस (यूडीएफ) में छूट जैसी प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी भी दी गई। साथ ही श्री विजय पुरम एवं ग्रेट निकोबार में नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों के विकास तथा आईएनएस बाज़ (कैम्पबेल बे) एवं आईएनएस कोहासा (शिबपुर) में रनवे विस्तार की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया, जिनका उद्देश्य द्वैध उपयोग को बढ़ावा देना है। उड़ान योजना के अंतर्गत अवसंरचना को अंतिम रूप दे दिया गया है और इसे स्पाइसजेट एवं स्काईहॉप को सौंपे जाने की संभावना है। हेलीकॉप्टर सेवाओं का आधुनिकीकरण किया जा रहा है तथा प्रमुख पर्यटन द्वीपों तक पहुंच सुलभ बनाने के लिए सीप्लेन सेवाओं को पुनः प्रारंभ करने का प्रस्ताव है।

समुद्री अवसंरचना का उल्लेख करते हुए माननीय उप राज्यपाल ने बताया कि गलाथिया बे को भारत के 13वें प्रमुख बंदरगाह के रूप में अधिसूचित किया गया है, जिसे सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल (आईसीटीटी) के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में जहाज़ मरम्मत एवं जहाज़ निर्माण हब के रूप में विकसित करने की परिकल्पना का भी उल्लेख किया।

ग्रेट निकोबार द्वीप से संबंधित 82,450 करोड़ रुपये की परियोजनाएं–जिनमें ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, पावर प्लांट एवं प्रस्तावित टाउनशिप शामिल हैं–समुद्री व्यापार, कनेक्टिविटी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और देश के भू–सामरिक एवं आर्थिक हितों को सुदृढ़ करने में 'फोर्स मल्टीप्लायर' सिद्ध होंगी। आईसीटीटी के प्रथम चरण को तीन वर्षों के भीतर संचालन प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित है, जिसकी अंतिम कंटेनर हैंडलिंग क्षमता 20.4 मिलियन टीईयू होगी।

माननीय उप राज्यपाल ने 'पोर्ट मीडोज' परियोजना के महत्व को भी रेखांकित करते हुए बताया कि जहाज़–से–जहाज़ ट्रांसशिपमेंट के लिए यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा इसके लिए मत्स्य शिपिंग के साथ समझौता किया जा चुका है। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जा रहा है। डिगलीपुर के अटलांटा बे में पीपीपी मॉडल के तहत गहरे समुद्री बंदरगाह के विकास हेतु आईआईटी मद्रास द्वारा प्री–फीजिबिलिटी अध्ययन किया गया है, जिसमें शिप रिपेयर एवं यॉट मरीना सुविधाओं का भी प्रावधान प्रस्तावित है।

उन्होंने आगे बताया कि द्वीप विकास एजेंसी के समक्ष इस विषय को कई बार उठाने के परिणामस्वरूप अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन 'नो–गो ज़ोन' के 6 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में से 63.5 प्रतिशत भाग को तेल अन्वेषण हेतु मुक्त कराने में सफल रहा है। अण्डमान बेसिन को "गयाना जैसी संभावनाओं" वाला क्षेत्र बताया गया है, जो भारत को 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से 20 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में अग्रसर करने की क्षमता रखता है।

ऊर्जा क्षेत्र में प्रशासन 100 प्रतिशत 'डी–डीज़लाइजेशन' का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत घरों एवं सरकारी भवनों पर ग्राउंड–माउंटेड तथा रूफटॉप सोलार परियोजनाओं सहित नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। एनटीपीसी लिमिटेड के माध्यम से 50 मेगावाट क्षमता का एलएनजी आधारित पावर प्लांट तथा

शेष पृष्ठ 4 पर

माननीय सांसद की अध्यक्षता में उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले में दिशा समिति की बैठक आयोजित

मायाबंदर, 27 फरवरी

उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के लिए ज़िला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 27 फरवरी, 2026 को उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद, जो दिशा समिति के अध्यक्ष भी हैं, द्वारा की गई।

बैठक के प्रारंभ में उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान ने माननीय अध्यक्ष, समिति के सम्मानित सदस्यों तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत किया। बैठक के दौरान ज़िले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित सभी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समिति ने योजनाओं की क्रियान्वयन स्थिति, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, विभागों के बीच समन्वय तथा आम जनता को समयबद्ध एवं प्रभावी लाभ सुनिश्चित करने के उपायों पर विचार–विमर्श किया।

माननीय अध्यक्ष ने कार्यों की नियमित निगरानी, पारदर्शिता एवं शीघ्र पूर्णता पर विशेष बल देते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए। उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि समिति के सभी निर्देशों एवं अनुशंसाओं का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बैठक का समापन अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

दक्षिण अण्डमान में सामुदायिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु सप्ताहांत एवं साप्ताहिक योग सत्र

श्री विजय पुरम, 27 फरवरी

ज़िला स्वास्थ्य समिति, दक्षिण अण्डमान द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न ऊर्ध्वाधर स्वास्थ्य कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है, ताकि ज़िले में समग्र स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा सके। इसी क्रम में दक्षिण अण्डमान ज़िले की सभी 56 स्वास्थ्य संस्थाओं में गैर–संचारी रोग (एनसीडी) क्लीनिक संचालित किए जा रहे हैं। इनमें 1 ज़िला अस्पताल (डीएच), 1 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी), 5 शहरी स्वास्थ्य केन्द्र (यूएचसी), 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/आयुष्मान आरोग्य मंदिर तथा 39 उप–केन्द्र/आयुष्मान आरोग्य मंदिर शामिल हैं। एनसीडी सेवाओं की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण आयुष्मान आरोग्य मंदिर का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसके माध्यम से सामान्य गैर–संचारी रोगों की शीघ्र जांच, निदान, उपचार, अनुवर्ती देखभाल तथा जीवनशैली में सुधार हेतु आरोग्य गतिविधियों को सुनिश्चित किया जा रहा है।

इसी संदर्भ में ज़िला स्वास्थ्य समिति, दक्षिण अण्डमान द्वारा स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (आयुष प्रकोष्ठ) के समन्वय से आगामी सप्ताह, मार्च, 2026 से नियमित योग सत्र प्रारंभ करने की पहल की गई है। ये सत्र सप्ताह में दो बार सुबह 7 बजे से सुबह 8 बजे तक आयोजित किए जाएंगे–

- दक्षिण अण्डमान के विभिन्न पंचायत भवनों/सामुदायिक भवनों में सप्ताहांत योग सत्र।
- दक्षिण अण्डमान के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों/आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में साप्ताहिक योग सत्र।

इस पहल का उद्देश्य शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना, निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना तथा स्वस्थ जीवनशैली संबंधी आदतों के प्रति जागरूकता फैलाना है।

प्राप्त विज्ञप्ति में आम जनता से इन योग सत्रों में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। कार्यक्रम की समय–सारणी तैयार करने में स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों से भी परामर्श लिया गया है।

(कार्यक्रम की विस्तृत समय–सारणी पृष्ठ 3 पर)

पर्यटक मार्गदर्शक एवं इको–टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण 9 से 20 मार्च तक

श्री विजय पुरम, 27 फरवरी

पर्यटन विभाग द्वारा भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), भुवनेश्वर के सहयोग से स्थानीय युवाओं एवं पर्यटन क्षेत्र से जुड़े बेरोज़गार अभ्यर्थियों के लिए 9 से 20 मार्च, 2026 तक श्री विजय पुरम् में 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दो प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित होंगे–स्थानीय युवाओं हेतु टूर गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा ईको–टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण एवं बर्डिंग (पक्षी अवलोकन) प्रशिक्षण।

आवेदन प्रपत्र एवं नियम व शर्तें पर्यटन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट URLidtourism.andamannicobar.gov.in से डाउनलोड

शेष पृष्ठ 4 पर

नई दिल्ली में एसएटीटीई एक्सपो में अण्डमान–निकोबार ने प्रदर्शित की पर्यटन संभावनाएँ

नई दिल्ली, 27 फरवरी

दक्षिण एशिया के प्रतिष्ठित ट्रैवल एवं टूरिज़्म एक्सचेंज (एसएटीटीई) एक्सपो के दौरान अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सूचना, प्रचार एवं पर्यटन विभाग के पवेलियन का दौरा श्रीमती चंचल यादव (आईएएस), आयुक्त–सह–सचिव, सूचना, प्रचार एवं पर्यटन, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने किया। अपने दौरे के दौरान आयुक्त ने पवेलियन में उपस्थित अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के हितधारकों से संवाद किया। उन्होंने द्वीपों को दक्षिण एशिया के एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने हेतु विभाग द्वारा की जा रही प्रचार पहलों की समीक्षा की तथा घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाज़ारों में व्यापक पहुंच सुदृढ़ करने पर बल दिया।

नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि (इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर) में आयोजित तीन दिवसीय इस ट्रैवल एक्सपो में विश्वभर से पर्यटन क्षेत्र के हितधारक, ट्रैवल ट्रेड पेशेवर, टूर ऑपरेटर, आतिथ्य क्षेत्र के अग्रणी प्रतिनिधि एवं मीडिया सदस्य शामिल हुए। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पवेलियन ने सतत पर्यटन, स्वच्छ एवं मनोहारी समुद्र तटों, समृद्ध समुद्री जैव विविधता, भू–धरोहर स्थलों, तारामंडल अवलोकन (स्टारगेजिंग) एवं साहसिक खेलों पर विशेष फोकस के कारण आकर्षण का केंद्र बना। पवेलियन में द्वीपों के प्रमुख आकर्षणों को प्रदर्शित किया गया, जिनमें ब्लू फ्लैग प्रमाणित राधानगर तट, भारत के स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों से जुड़ा ऐतिहासिक सेल्यूलर जेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप (एनएससीबी द्वीप), स्टारगेज़िंग, दक्षिण एशिया का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी बैरन द्वीप, बाराटांग का पंक ज्वालामुखी, स्थानिक (एंडेमिक) पक्षी, चाथम द्वीप तथा लिटिल अण्डमान की अनछुई लहरों में सर्फिंग शामिल हैं। एक्सपो के दौरान अधिकारियों

द्वारा टूर ऑपरेटरों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं ट्रैवल इन्फ्लुएंसर्स के साथ प्रभावोत्पादक बी2बी बैठकों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए पर्यटन आगमन में वृद्धि के लिए साझेदारी के अवसर तलाशे जा सकें। आगंतुकों को साहसिक पर्यटन, विरासत स्थलों, द्वीप भ्रमण (आइलैंड–हॉपिंग) अनुभवों, हालिया पर्यटन पहलों एवं क्षेत्र में हो रहे विकास से संबंधित प्रचार सामग्री भी वितरित की गई। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय के अनुसार एसएटीटीई अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को दक्षिण एशिया में एक अप्रयुक्त उष्णकटिबंधीय विकल्प के रूप में स्थापित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। इस एक्सपो में सहभागिता द्वीपसमूह की वैश्विक पहचान को सुदृढ़ करने तथा स्वच्छ प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच एवं विश्वस्तरीय प्राकृतिक अनुभव की तलाश करने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

शहर में "रिसाव रोकें, पानी बचाएं" अभियान का आगाज़

श्री विजय पुरम, 27 फरवरी

श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी) ने शहर भर में "रिसाव रोकें, पानी बचाएं" अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य जल क्षति को कम करना, जल प्रबंधन को सुदृढ़ करना तथा इस बहुमूल्य संसाधन के संरक्षण के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाना है। पेयजल की बढ़ती मांग और सतत संसाधन प्रबंधन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण परिषद की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इस अभियान के माध्यम से एसवीपीएमसी मौजूदा जल आपूर्ति प्रणाली को मजबूत करने तथा सभी घरों तक समान एवं विश्वसनीय जल वितरण सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। अभियान के तहत एसवीपीएमसी ने अण्डमान लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी) के समन्वय से विशेष निरीक्षण दल गठित किए हैं, जो नगर क्षेत्र में वार्डवार जल आपूर्ति पाइपलाइनों की जांच करेंगे। ये दल लीकेज, ओवरफ्लो बिंदुओं एवं वितरण प्रणाली से जुड़ी अन्य समस्याओं की पहचान करेंगे। संबंधित विभागों द्वारा अनावश्यक जल क्षति को रोकने के लिए त्वरित मरम्मत एवं रखरखाव कार्य किए जा रहे हैं।

अभियान में आम जनता की सक्रिय भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। निवासियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने घरों की पाइपलाइन की नियमित जांच करें, टपकते नल एवं पाइपों की मरम्मत कराएं तथा ओवरहेड टैंकों से पानी का ओवरफ्लो रोकें। जागरूकता बढ़ाने एवं ज़िम्मेदार जल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए परिषद द्वारा जल संरक्षण से संबंधित 'क्या करें और क्या

शेष पृष्ठ 4 पर

नई दिल्ली स्थित यूएसआई में माननीय उप राज्यपाल ने ———पृष्ठ 1 का शेष

एसएमआर न्यूक्लियर अध्ययन भी प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त प्रस्तावित एचवीडीसी लिंक के माध्यम से ओडिशा के पारादीप से बिजली आपूर्ति की संभावना है, जिससे वित्तीय वर्ष 2030 तक अनुमानित 79 मेगावाट की अधिकतम मांग को डीज़ल जनरेटर पर अत्यधिक निर्भरता के बिना पूरा किया जा सकेगा।

माननीय उप राज्यपाल ने पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में 'अमेज़िंग अण्डमन्स' की अपार संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला, जो माननीय प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के विजन में योगदान दे रही हैं। लॉन्ग आइलैंड, एविस आइलैंड, शहीद द्वीप तथा श्री विजय पुरम स्थित मेगापोड रिज़ॉर्ट की नीलामी आरक्षित मूल्य से 306 से 1152 प्रतिशत प्रीमियम पर संपन्न हुई, जिससे 36.80 करोड़ रुपये वार्षिक राजस्व (प्रति वर्ष 5 प्रतिशत वृद्धि तथा 2–3.6 प्रतिशत राजस्व साझेदारी) प्राप्त होगा। 11 और द्वीपों तथा रंगाचांग परियोजना के विकास की योजना ट्रांजैक्शन एडवाइज़र के माध्यम से बनाई जा रही है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि स्वराज द्वीप का राधानगर तट वर्ष 2019 से 'ब्लू लैग' प्रमाणन धारण किए हुए है, जबकि रामनगर, कर्माटांग एवं रमन बगीचा को पायलट साइट के रूप में नामित करते हुए 10 अन्य समुद्र तटों को ब्लू फ्लैग मानकों के अनुरूप उन्नत किया जा रहा है। क्रूज़ पर्यटन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज़ की गई है। दिसंबर 2025 में श्रीलंका से फुकेट जा रहे पोत 'ल्यूमिनारा' ने श्री विजय पुरम में निर्धारित ठहराव किया, जो इस क्षेत्र में बढ़ती क्रूज़ गतिविधियों का संकेत है।

लोक निवास से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार माननीय उप राज्यपाल ने ग्रेट निकोबार के सामरिक विकास से संबंधित चार नियोजित वर्टिकल्स के संदर्भ में आवश्यक 'ग्रीन क्लीयरेंस' प्राप्त होने की भी जानकारी दी।

अपने संबोधन के समापन पर माननीय उप राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्तमान एवं प्रस्तावित पहलें अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को 'न्यू अण्डमन्स' के रूप में स्थापित करेंगी तथा माननीय प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के 'आत्मनिर्भरता, नवाचार एवं नागरिक सशक्तिकरण' के विज़न को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

पर्यटक मार्गदर्शक एवं इको–टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण ————पृष्ठ 1 का शेष

किए जा सकते हैं। भरे हुए आवेदन पत्र योजना अनुभाग में जमा किए जा सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी गूगल फॉर्म के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं।

1. टूर गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्थानीय युवाओं हेतु) के लिए लिंक: **https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdlZoanGigBgKZ6yrqoOP5jlIp2yslZSC77WzFcUZ8HhLRaUg/viewform?usp=publish-editor**

2. ईको–टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण एवं बर्डिंग के लिए लिंक: **https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScrv0zINh2w8MTmLRGBarSvWU_eRF9kri1qhymrUypBpP2pyQ/viewform?usp=publish-editor**

क्षेत्र	उम्मीदवारों की संख्या	महिला	पुरुष
डिगलीपुर	5	2	3
मायाबंदर	5	2	3
रंगत	5	2	3
बाराटांग	8	3	5
श्री विजय पुरम	20	7	13
फरारगंज	10	3	7
शहीद द्वीप	15	5	10
स्वराज द्वीप	15	5	10
लिटिल अण्डमान	7	2	5
निकोबार	5	2	3
कैम्पबेल बे	5	2	3
कुल उम्मीदवार	100	35	65

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय के अनुसार पात्रता के अनुसार अभ्यर्थी का 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। कुल 100 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें टूर गाइड प्रशिक्षण के लिए 50 सीटें तथा ईको–टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण एवं बर्डिंग के लिए 50 सीटें निर्धारित हैं। 1 मार्च, 2026 की स्थिति में अभ्यर्थी की आयु 40 वर्ष से कम होनी चाहिए। इच्छुक एवं पात्र युवा इस अवसर का लाभ उठाकर पर्यटन क्षेत्र में रोज़गार की संभावनाओं को सुदृढ़ कर सकते हैं।

अभ्यर्थियों के चयन हेतु 50 प्रतिशत वेटेज शैक्षणिक मेरिट को तथा 50 प्रतिशत वेटेज ट्रैवल ट्रेड में अनुभव को दिया जाएगा। प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए किसी प्रकार का टीए/डीए अथवा आवास की सुविधा प्रदान नहीं की जाएगी। वर्ष 2023–24 एवं 2024–25 के दौरान टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थी इस टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण हेतु पात्र नहीं होंगे। टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण के लिए भरा हुआ आवेदन पत्र 6 मार्च, 2026 को दोपहर 12 बजे तक योजना अनुभाग, सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय में जमा करना अनिवार्य है। प्रशिक्षण से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी कार्य दिवसों में श्रीमती नलिनी के. नायर, वरिष्ठ अन्वेषक, सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, मोबाइल नंबर 9434281308 पर संपर्क कर सकते हैं।

शहर में "रिसाव रोकें, पानी बचाएं" अभियान ————————पृष्ठ 1 का शेष

न करें' विषयक पर्चे भी वितरित किए जा रहे हैं। एसवीपीएमसी ने नागरिकों को ओवरहेड टैंकों में फ्लोट वाल्व लगाने की भी सलाह दी है, जिससे पानी का प्रवाह स्वतः नियंत्रित हो सके और ओवरफ्लो रोका जा सके। इससे बड़ी मात्रा में जल की बचत संभव है। इस अभियान की सफलता के लिए निवासियों, संस्थानों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। प्राप्त विज्ञप्ति में परिषद ने स्पष्ट किया है कि जल संरक्षण एक साझा ज़िम्मेदारी है और सभी नागरिकों से "रिसाव रोकें, पानी बचाएं" अभियान को सफल बनाने हेतु सक्रिय सहयोग की अपील की है, ताकि श्री विजय पुरम को जल–सुरक्षित एवं सतत शहर बनाया जा सके। शहर में कहीं भी जल रिसाव, पाइपलाइन फटने, ओवरफ्लो या जल के दुरुपयोग की सूचना नगरपालिका परिषद के नियंत्रण कक्ष (231179) पर दी जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित शिकायतों के लिए एपीडब्ल्यूडी जल नियंत्रण कक्ष के नंबर 251185 या 18003451666 पर संपर्क किया जा सकता है। समय पर सूचना मिलने से संबंधित प्राधिकारी त्वरित कार्रवाई कर सकेंगे और अनावश्यक जल व्यर्थता को रोका जा सकेगा। जनसुविधा हेतु नियंत्रण कक्ष सप्ताह में चौबीस घंटे कार्यरत हैं।

ऑलिव रिडले कछुओं के 61 शिशुओं को सुरक्षित समुद्र में छोड़ा गया

मायाबंदर, 27 फरवरी।

गत 24 फरवरी को उत्तर व मध्य अण्डमान के मायाबंदर वन प्रभाग के कर्मचारियों की देखरेख में कर्माटांग स्थित टर्टल तट पर ऑलिव रिडले समुद्री कछुए के 61 नवजात शिशुओं को सुरक्षित रूप से समुद्र तक पहुंचाया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चों, शिक्षकों, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के अधिकारियों, विभिन्न विभागों के प्रमुखों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन ने समुद्री जैव विविधता के संरक्षण में सामुदायिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया तथा युवा पीढ़ी को समुद्री पारितंत्र की सुरक्षा के प्रति सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

आईटी महोत्सव 'टेक्नोवागांजा–2026' का आयोजन

श्री विजय पुरम, 27 फरवरी।

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) द्वारा कल अपने सभागार में राज्य स्तरीय अंतर–महाविद्यालय आईटी महोत्सव 'टेक्नोवागांजा–2026' का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्था (डीब्राइट), अण्डमान कॉलेज (एनकॉल), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में महोत्सव का उद्घाटन करते हुए जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने कहा कि 'टेक्नोवागांजा–2026' विद्यार्थियों को अपनी तकनीकी दक्षता, रचनात्मकता एवं टीम वर्क प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगा। उन्होंने इस अवसर पर जेएनआरएम की नई वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में एनआईसी के राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी श्री गौतम गुप्ता ने विद्यार्थियों के बीच तकनीकी नवाचार एवं डिजिटल कौशल के महत्व पर बल दिया। कंप्यूटर विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद एन.सी. ने अंतर–महाविद्यालय आईटी महोत्सव के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए परिचयात्मक वक्तव्य प्रस्तुत

किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के दौरान कंप्यूटर विज्ञान विभाग के पूर्व विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करते हुए पुरस्कार वितरण समारोह के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इससे पूर्व कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राजीव कुमार तिवारी ने उपस्थिति का स्वागत किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मुक्ता जगदीश, सहायक प्राध्यापक द्वारा प्रस्तुत किया गया।

विज्ञान सप्ताह का समापन समारोह आज

श्री विजय पुरम, 27 फरवरी।

सी. वी. रमन द्वारा 'रमन प्रभाव' की खोज की स्मृति में प्रतिवर्ष 28 फरवरी को देशभर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के समारोह का विषय "विज्ञान में महिलाएं: विकसित भारत की उत्प्रेरक" है। इस अवसर को गरिमामय ढंग से मनाने हेतु विज्ञान केन्द्र, श्री विजय पुरम द्वारा विज्ञान सप्ताह के दौरान विभिन्न शैक्षणिक एवं संवादात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न विद्यालयों के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साह, रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ भागीदारी की। विजेताओं को सम्मानित करने के लिए 28 फरवरी को शाम 4 बजे विज्ञान केन्द्र के सभागार में समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

विशेष स्काई शो एवं 3–डी शो

श्री विजय पुरम, 27 फरवरी।

विज्ञान केन्द्र, श्री विजय पुरम द्वारा 28 फरवरी, 2026 को सायं 5.30 बजे से सायं 6.30 बजे तक "विशेष स्काई शो" आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में ग्रह बृहस्पति एवं शनि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जाएगी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आगंतुकों को श्री विजय पुरम् के आकाश का स्काई मैप प्रदान किया जाएगा, जिससे वे ग्रहों एवं अन्य खगोलीय पिंडों की पहचान कर सकें। साथ ही शक्तिशाली दूरबीन के माध्यम से शनि ग्रह एवं उसके विशाल वलयों तथा बृहस्पति ग्रह और उसके उपग्रह– आयो, यूरोपा, गैनीमीड एवं कैलिस्टो–का अवलोकन करने का रोमांचक अवसर भी मिलेगा। इसके अतिरिक्त विशेष 3–डी शो सायं 5.30 बजे तथा सायं 6.10 बजे आयोजित किए जाएंगे। स्काई शो एवं 3–डी शो के लिए प्रवेश शुल्क क्रमशः 10 रुपये एवं 20 रुपये प्रति व्यक्ति प्रति कार्यक्रम निर्धारित है।

आईसीएआर–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान में किसान मेला–2026 सह प्रदर्शनी का उद्घाटन

श्री विजय पुरम, 27 फरवरी

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन), नई दिल्ली डॉ. ए. के. नायक द्वारा 27 फरवरी, 2026 को आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम में किसान मेला–2026 का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में आईसीएआर, नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक (एसडब्ल्यूएम) डॉ. ए. वेलमुरुगम, आईसीएआर–केंद्रीय बागान फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीपीसीआरआई), कासरगोड के परियोजना समन्वयक (पाम्स) डॉ. बी. ऑगस्टीन जेरार्ड, आईसीएआर–सीआईएआरआई के निदेशक डॉ. जय सुंदर, कार निकोबार के सीटीसी से जनजातीय प्रमुख श्री लियोनाल्ड निकोमेड तथा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), श्री विजय पुरम के उप महाप्रबंधक श्री राकेश बी. पंगत सहित वैज्ञानिक, अधिकारी, किसान एवं अन्य हितधारक उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. ए. के. नायक ने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आईसीएआर–सीआईएआरआई द्वारा प्रौद्योगिकी विकास एवं हस्तांतरण में किए गए उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। डॉ. ए. वेलमुरुगम ने संस्थान द्वारा प्रदान की जा रही कृषि मौसम परामर्श (एग्रोमेट एडवाइज़री) सेवाओं के उपयोग के महत्व पर बल देते हुए किसानों से इन परामर्शों का नियमित पालन करने का आग्रह किया, ताकि कृषि उत्पादकता बढ़ाई जा सके और जलवायु संबंधी जोखिमों को कम किया जा सके। डॉ. बी. ऑगस्टीन जेरार्ड ने किसानों को बागान फसलों में सर्वोत्तम प्रबंधन पद्धतियां अपनाने की सलाह दी, जिससे उत्पादकता एवं स्थिरता में वृद्धि हो सके। श्री राकेश बी. पंगत ने किसानों, स्वयं सहायता समूहों तथा ग्रामीण उद्यमियों के लिए उपलब्ध विभिन्न योजनाओं एवं वित्तीय सहायता तंत्र की विस्तृत जानकारी प्रदान की। आईसीएआर–सीआईएआरआई के निदेशक डॉ. जय सुंदर ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों एवं किसानों का हार्दिक स्वागत किया। मेले के दौरान आईसीएआर–सीआईएआरआई के विभिन्न प्रभागों द्वारा उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशु विज्ञान, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा फसल सुधार से संबंधित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। कुल 16 स्टॉल लगाए गए, जिनमें आईसीएआर–सीआईएआरआई, कृषि विभाग, नाबार्ड, एसबीआई, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), पीपीवीएफआरए एवं निजी संगठनों की तकनीकी प्रदर्शनी शामिल रही। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार लगभग 400 किसानों एवं महिला कृषकों ने कार्यक्रम में भाग लेकर वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों से संवाद किया, जिससे यह आयोजन ज्ञान आदान–प्रदान एवं प्रौद्योगिकी प्रसार का एक सशक्त मंच सिद्ध हुआ।

डिगलीपुर के पायलट ब्लू फ्लैग तट पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण

डिगलीपुर, 27 फरवरी।

ईको–पर्यटन एवं सतत तटीय विकास को बढ़ावा देने की दिशा में वन विभाग, डिगलीपुर प्रभाग, उत्तर अण्डमान द्वारा रामनगर स्थित पायलट ब्लू फ्लैग तट पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस प्रतिमा का वर्चुअल अनावरण मुख्य वन संरक्षक (क्षेत्रीय) डॉ. ए. अनिल कुमार द्वारा किया गया।

रामनगर का पायलट ब्लू फ्लैग तट अपनी स्वच्छता, शांति एवं पर्यावरण–अनुकूल पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है। बुद्ध प्रतिमा की स्थापना से इस स्थल को आध्यात्मिक आयाम मिला है, जो शांति, सजगता और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह–अस्तित्व का संदेश देती है। यह कलाकृति स्थानीय जैव विविधता को भी दर्शाती है तथा पारिस्थितिक संतुलन के महत्व को उजागर करती है। प्रतिमा का निर्माण रामनगर गांव के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार श्री महानंद गोमास्ता द्वारा किया गया है, जिनकी कलात्मक उत्कृष्टता ने इस स्थल को सांस्कृतिक महत्व प्रदान किया है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में डॉ. एस. एच. के. मूर्ति, प्रभागीय वन अधिकारी, डिगलीपुर प्रभाग, श्री शिवेंद्र, सहायक वन संरक्षक (डीपी), पंचायती राज संस्था के सदस्य, अधिकारी एवं स्थानीय निवासी सहित 200 से अधिक लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. ए. अनिल कुमार ने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी और सह–अस्तित्व के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन श्री शिवेंद्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

आधुनिक मापन संग्रह इकाई व दंड प्रक्रिया (पहचान) अधिनियम पर प्रशिक्षण सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 27 फरवरी

फॉरेंसिक क्षमताओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मापन संग्रह इकाई (एमसीयू)/दंड प्रक्रिया (पहचान) अधिनियम, 2022 विषय पर दो दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन 19 एवं 20 फरवरी 2026 को पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, प्रोथरापुर, श्री विजय पुरम में किया गया। यह कार्यक्रम वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में फिंगर प्रिंट सेल (सीआईडी) द्वारा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी), नई दिल्ली के समन्वय से आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य मैनुअल अभिलेख प्रणाली से आधुनिक एवं एकीकृत पहचान प्रणाली की ओर स्थानांतरित करना था। प्रशिक्षण एनसीआरबी की विशेषज्ञ टीम द्वारा संचालित किया गया, जिसमें सैद्धांतिक जानकारी के साथ–साथ व्यावहारिक प्रदर्शन भी शामिल थे। प्रमुख प्रशिक्षकों में श्री अनुपम कर्मकार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्रीमती अपर्णा सेनगुप्ता, परियोजना प्रमुख, श्री रमन प्रसाद, कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी तथा श्री तेजस दीपक चौधरी, परियोजना अभियंता शामिल थे। इनके साथ निरीक्षक टी. के. विलियम, फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ एवं हेड कांस्टेबल टी. रवि कुमार, एमसीयू एनरोलर/फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ ने भी सहयोग प्रदान किया। इस

प्रशिक्षण में हेड कांस्टेबल से लेकर निरीक्षक रैंक तक के पुलिसकर्मी तथा फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, श्री विजय पुरम के वैज्ञानिक अधिकारियों सहित कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दंड प्रक्रिया पहचान प्रणाली पुलिसिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। एमसीयू के माध्यम से 360 डिग्री फोटोग्राफी, आइरिस स्कैन, डीएनए नमूने तथा शारीरिक माप संग्रहित किए जा सकते हैं। यह प्रणाली वर्तमान में फिंगर प्रिंट सेल, तीन ज़िला पुलिस कार्यालयों और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सुधारगृहों, जिनमें ज़िला कारागार एवं उप–कारागार शामिल हैं, में संचालित की जा रही है।

अंतरा कार्यक्रम के तहत गर्भनिरोधक इंजेक्शन पर एएनएम/एएएनएम को प्रशिक्षित किया गया

श्री विजय पुरम, 27 फरवरी

अंतरा कार्यक्रम के अंतर्गत तीन माह तक गर्भधारण से सुरक्षा प्रदान करने वाला इंजेक्टेबल गर्भनिरोधक (मेड्रोक्सीप्रोजेस्टेरोन एसीटेट–एमपीए) उपलब्ध कराया जाता है। यह विधि ओव्यूलेशन को रोककर तथा गर्भाशय ग्रीवा के म्यूकस को गाढ़ा कर गर्भधारण की संभावना को कम करती है। राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत यह सुविधा सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अस्पतालों में निःशुल्क उपलब्ध है। गर्भनिरोधक विकल्पों का विस्तार करने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस कार्यक्रम में स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में 26 फरवरी, 2026 को आयुष अस्पताल, श्री विजय पुरम के सम्मेलन कक्ष में एएनएम एवं एएएनएम के लिए इंजेक्टेबल गर्भनिरोधक (डेपो मेड्रोक्सी प्रोजेस्टेरोन एसीटेट–डीएमपीए) पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. गणेश समद्दार, निदेशक (प्रभारी), स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, डॉ. शाइनी वर्गीज, उप निदेशक (परिवार कल्याण) तथा डॉ. कल्याण पी. कड़भाने, उप

निदेशक (आयुष) द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण को गंभीरता से ग्रहण करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने पर बल दिया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रशिक्षण में 'अनिम्स' के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के डॉ. सत्य जगदीश (सह–प्राध्यापक), डॉ. सी. जीवना (सहायक प्राध्यापक) तथा डॉ. राजू जी.पी. (सहायक प्राध्यापक) संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण में दक्षिण अण्डमान के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से कुल 15 एएनएम एवं एएएनएम को प्रशिक्षित किया गया।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
सचिवालय

अधिसूचना

श्री विजय पुरम, दिनांक 13 फरवरी, 2026

सं. 48/2026/फा.सं. 1-Haj/2023-Rev./E.Comp No. 16171. – हज समिति अधिनियम, 2002 की धारा 2 की उप–धारा (i) के साथ पठित इसी अधिनियम की धारा 21 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में इससे पूर्व की सभी अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए उप राज्यपाल (प्रशासक), अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एतद्द्वारा **श्री टी. अल्वी, सुपुत्र स्वर्गीय टी. मोहम्मद हाजी, फीनिक्स बे, श्री विजय पुरम को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के राज्य हज समिति का अध्यक्ष** नियुक्त करते हैं। अध्यक्ष का कार्यकाल दिनांक 22.12.2025 की अधिसूचना संख्या 113 के तहत नियुक्त राज्य हज समिति के सदस्यों के कार्यकाल के साथ समाप्त होगा।

एडमिरल डी. के. जोशी
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह।

उप राज्यपाल के आदेश से तथा उनके नाम पर,
ह./–
(ए. येसु राज)
सहायक सचिव (राजस्व)

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, विंबरलीगंज की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/एम जी/2025–26/208
कार्य का नाम : विम्बर्लीगंज, ग्राम पंचायत के अंर्तगत वार्ड संख्या 01 में मौजूदा विवाह भवन में छत लगाकर परिवर्तन करना।
अनुमानित लागत : रु. 14,53,542/–, धरोहर राशि : रु. 29,071/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।
निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 09/03/2026 के सायं 3.00 बजे तक।
निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।
टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_22142_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

No. Proc-246/6/2023-JR-ASST-(TSM)-ANIIDCO_AN/5985 दिनांक 24.02.2026

हॉर्नबिल नेस्ट रिसॉर्ट, श्री विजय पुरम में वार्षिक अनुबंध के आधार पर कीट एवं पशु नियंत्रण सेवा के लिए ऑनलाइन ई–निविदा आमंत्रित किए जाते हैं।

निविदा दस्तावेज जिसमें नियम एवं शर्तें शामिल है, जेम पोर्टल से निविदा संख्या GEM/2026/7249486 दिनांक 18/02/2026 के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकता है अथवा इसे वरिष्ठ प्रबंधक (पर्यटन), अनिडको विकास भवन, श्री विजय पुरम से किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 11.03.2026 को सायं 5.00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा को जेम पोर्टल पर ऑनलाइन दिनांक 12/03/2026 को अपराहन 3.00 बजे तक भरा जाना चाहिए तथा तकनीकी बोली उसी दिन सायं 3.30 बजे निविदा खोलने के समय उपस्थित निविदाकर्ताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों (यदि कोई उपस्थित हो) की उपस्थिति में खोली जाएगी।

अनिडको किसी भी या सभी निविदाओं को बिना कोई कारण बताए स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

महाप्रबंधक (पर्यटन) प्रभारी, अनिडको

शपथ पत्र

मैं, एस. दामोदरन, पुत्र पी. सेल्वम, निवासी ग्राम डिग्नाबाद, तहसील श्री विजय पुरम, जिला दक्षिण अण्डमान, शपथपूर्वक निम्नलिखित घोषणा करता हूँ :

1. कि मैं इन द्वीपों का स्थायी निवासी हूँ तथा उपरोक्त पते पर निवास कर रहा हूँ।
2. कि मेरी पुत्री का वास्तविक एवं सही नाम डी. जोशिनी है।
3. कि मेरा वास्तविक एवं सही नाम एस. दामोदरन है तथा मेरी पत्नी का वास्तविक एवं सही नाम आर. हेमा है।
4. कि जोशिनी एवं डी. जोशिनी एक ही एवं समान व्यक्ति है।
दामोदरन एवं एस. दामोदरन एक ही एवं समान व्यक्ति है।
हेमा एवं आर. हेमा एक ही एवं समान व्यक्ति है।
5. कि उपनाम 'डी' का अर्थ 'दामोदरन' है, उपनाम 'एस' का अर्थ 'सेल्वम' है तथा उपनाम 'आर' का अर्थ 'रामनाथन' है।
6. कि मैं यह शपथ पत्र इस आशय से दे रहा हूँ कि उपरोक्त नाम एक ही एवं समान व्यक्ति के हैं तथा इनमें कोई भिन्नता नहीं है। यह शपथ पत्र मेरी पुत्री के पासपोर्ट प्राप्त करने के उद्देश्य से तथा अन्य सभी प्रयोजनों के लिए दिया जा रहा है।

मैं यह घोषित करता हूँ कि उपरोक्त कथन मेरे ज्ञान एवं विश्वपास के अनुसार सत्य एवं सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम
दिनांक 25.02.2026 शपथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, एस. दामोदरन, पुत्र पी. सेल्वम, निवासी ग्राम डिग्नाबाद, तहसील श्री विजय पुरम, जिला दक्षिण अण्डमान, शपथपूर्वक निम्नलिखित घोषणा करता हूँ :

1. कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ।
2. यह कि मेरे पुत्र डी. निक्शय कुमार के जन्म प्रमाण पत्र, पंजीकरण संख्या B-2020:33-7117-000741 दिनांक 24.11.2020 में मेरा नाम दामोदरन दर्ज है, जबकि मेरा सही नाम एस. दामोदरन है।
3. यह कि मेरी पत्नी का नाम आर. हेमा है, जो मेरे पुत्र के शैक्षणिक अभिलेखों एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है।
4. यह कि मेरा वास्तविक एवं सही नाम एस. दामोदरन है।
5. यह कि दामोदरन और एस. दामोदरन एक ही व्यक्ति है और दोनों नाम एक ही एवं समान व्यक्ति को दर्शाते हैं।
6. यह कि उपनाम 'डी' का अर्थ 'दामोदरन' है, उपनाम 'एस' का अर्थ 'सेल्वम' है तथा उपनाम 'आर' का अर्थ 'रामनाथन' है।
7. यह कि मैं यह शपथ पत्र इस उद्देश्य से दे रहा हूँ कि उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं और इनमें कोई भिन्नता नहीं है। यह शपथ पत्र अपने पुत्र के पासपोर्ट प्राप्त करने हेतु तथा अन्य सभी आवश्यक कार्यों के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है।

मैं यह सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त कथन मेरे ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार पूर्णतः सत्य एवं सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम
दिनांक 25.02.2026 शपथकर्त्ता

आईआईटी दिल्ली बना रहा स्मार्ट एयर कंडीशनर, बहुत कम होगी बिजली खर्च

नई दिल्ली, 27 फरवरी। आईआईटी दिल्ली एक नया स्मार्ट एयर कंडीशनर तैयार कर रहा है। आईआईटी दिल्ली का यह स्मार्ट एयर कंडीशनर सामान्य एसी की तुलना में बहुत कम बिजली खर्च करेगा। फिलहाल इस एयर कंडीशनर पर प्रयोगशाला में परीक्षण किया जा रहा है। आईआईटी का कहना है कि सामान्य एयर कंडीशनर कमरे की हवा को जरूरत से ज्यादा ठंडा करके उसमें मौजूद नमी हटाते हैं। इस प्रक्रिया में अधिक बिजली खर्च होती है। वहीं, नई व्यवस्था में नमक के घोल का उपयोग किया गया है। यह घोल हवा में मौजूद नमी को सीधे सोख लेता है। हवा और घोल के बीच एक विशेष पतली झिल्ली लगाई गई है, जिससे नमक कमरे की हवा में नहीं मिल पाता। जब घोल नमी सोखकर पतला हो जाता है, तो उसे दोबारा सुखाना पड़ता है। इसके लिए अलग से कोई अतिरिक्त यंत्र नहीं लगाया गया है। मशीन के बाहरी हिस्से से निकलने वाली अतिरिक्त गर्मी का ही उपयोग करके घोल को फिर से उपयोग योग्य बना दिया जाता है। इस तरह ऊर्जा की बचत होती है।

आईआईटी दिल्ली के यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थी इस प्रकार का हाई–एफिशियन्सी एयर कंडीशनर विकसित कर रहे हैं। इसमें बिजली की खपत को लगभग एक–तिहाई तक कम करने की क्षमता है। अभी इस पर प्रयोगशाला–स्तरीय प्रोटोटाइप का परीक्षण चल रहा है। आईआईटी दिल्ली के शोधार्थी नए प्रकार का हाई–एफिशियन्सी एयर कंडीशनर विकसित कर रहे हैं। प्रो. अनुराग गोयल के नेतृत्व में यह शोध टीम काम कर रही है। इसमें यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग के पीएचडी. शोधार्थी अनंतकृष्णन भी शामिल हैं। वर्तमान में उपयोग में आने वाले वेपर–कंप्रेशन सिस्टम आधारित एयर कंडीशनर नमी को हटाने के लिए हवा को आवश्यकता से अधिक ठंडा करते हैं ताकि नमी कन्डेन्स हो सके। यह प्रक्रिया अत्यधिक ऊर्जा खपत वाली होती है।

आईआईटी दिल्ली के यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग में प्रो. अनुराग गोयल के शोध समूह ने एक नई अवधारणा विकसित की है, जिसमें नमी को सीधे नियंत्रित करने के लिए एक कॉम्पैक्ट ऐड–ऑन मॉड्यूल का उपयोग किया है। यह प्रणाली इस प्रकार डिजाइन की गई है कि देश में विभिन्न बाहरी परिस्थितियों के दौरान वेपर कंप्रेशन और डेसिकेंट मॉड्यूल के बीच ऊर्जा अंतरण की दर का सटीक संतुलन सुनिश्चित किया जा सके।

प्रो. अनुराग गोयल का कहना है, "प्रस्तावित प्रणाली का उपयोग करते हुए सामान्य परिस्थितियों में एक सामान्य कमरे के एयर कंडीशनर के लिए लगभग 1,200 वॉट की कुल बिजली खपत की तुलना में हाइब्रिड प्रणाली में बिजली की खपत घटकर लगभग 800 वॉट रह जाती है। इससे समान इनडोर कम्फर्ट स्टैंडर्ड्स को बनाए रखते हुए लगभग 33 प्रतिशत तक कम ऊर्जा खपत हुई।"

स्वदेशी युद्धपोत 'अंजदीप' नौसेना में शामिल, समुद्री सुरक्षा को मिली नई ताकत

नई दिल्ली, 27 फरवरी। भारतीय नौसेना में शुक्रवार को नया युद्धपोत 'अंजदीप' शामिल किया गया। नौसेना प्रमुख दिनेश के त्रिपाठी ने इसे अत्यंत गर्व का क्षण बताया। यह स्वदेशी रूप से निर्मित पनडुब्बी रोधी उथले जल का युद्धपोत है, जो दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाकर उन्हें नाकाम करने में सक्षम है।

युद्धपोत 'अंजदीप' को 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें निष्क्रिय करना है। यह पोत स्वदेशी अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी हथियारों और सेंसर पैकेज से सुसज्जित है, जिसमें हल माउंटेड सोनार 'अभय' भी शामिल है।

यह भारतीय युद्धपोत हल्के टॉरपीडो और पनडुब्बी रोधी रॉकेटों से लैस है। चेन्नई में आयोजित समारोह में इसे नौसेना में शामिल किया गया। नौसेना प्रमुख ने बताया कि वर्ष 2026 में लगभग 15 और पोत शामिल करने की योजना है।

वर्ष 2035 तक भारतीय नौसेना का लक्ष्य 200 से अधिक पोतों वाली नौसेना बनना है। इसके लिए वर्तमान में 50 पोत भारतीय शिपयार्डों में निर्मित हो रहे हैं। वर्ष 2047 तक पूर्णतः आत्मनिर्भर नौसैनिक शक्ति के निर्माण का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है।

अंजदीप पनडुब्बी रोधी भूमिका के साथ–साथ तटीय

निगरानी, कम तीव्रता वाले समुद्री अभियान और खोज एवं बचाव कार्यों में भी सक्षम है। 77 मीटर लंबा यह युद्धपोत उच्च गति वाले वाटर–जेट प्रोपल्शन सिस्टम से लैस है, जो इसे 25 समुद्री मील की अधिकतम गति प्रदान करता है।

नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारत सदैव एक समुद्री सभ्यता रहा है और आज देश की सुरक्षा व समृद्धि समुद्रों से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि हिंद महासागर क्षेत्र से प्रतिवर्ष लगभग 1,20,000 जहाज गुजरते हैं, जो वैश्विक तेल, थोक माल और कंटेनर यातायात का बड़ा हिस्सा वहन करते हैं।

उन्होंने कहा कि समुद्र में छोटे व्यवधान भी बड़े रणनीतिक परिणाम ला सकते हैं। लाल सागर संकट और होर्मुज क्षेत्र में तनाव ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की संवेदनशीलता को उजागर किया है। अक्टूबर 2023 से लाल सागर में भारतीय नौसेना की तैनाती ने लगभग 400 व्यापारी जहाजों के सुरक्षित पारगमन को संभव बनाया है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एआई और लैंगिक सशक्तिकरण पर केसबुक जारी

नई दिल्ली, 27 फरवरी। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान एआई और लैंगिक सशक्तिकरण पर एक विशेष केसबुक जारी की गई। समावेशी और नैतिक एआई विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के लिहाज से इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत संचालित इंडियाएआई मिशन के जरिए केंद्र सरकार ने यूएन वीमेन के सहयोग और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के समर्थन से यह केसबुक तैयार की है। इसमें ग्लोबल साउथ के 23 चुनिंदा एआई समाधान शामिल हैं, जो लैंगिक समानता पर ठोस प्रभाव दर्शाते हैं।

केसबुक का विमोचन इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव अनिल मलिक और यूएन वीमेन की एशिया–प्रशांत क्षेत्रीय निदेशक क्रिस्टीन अरब ने संयुक्त रूप से किया।

इस केसबुक को अंतरराष्ट्रीय मान्यता तब मिली, जब संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने 20 फरवरी 2026 को जनएआई एक्सपो में यूएन वीमेन के स्टॉल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वी–एसटीईएम परियोजना से जुड़ी ग्रामीण समुदायों की युवा महिलाओं से बातचीत की, जो एआई आधारित कौशल और शिक्षा के जरिए नए अवसर प्राप्त कर रही हैं।

50 से अधिक देशों से प्राप्त 233 आवेदनों में से चुने गए 23 एआई समाधानों को इस केसबुक में शामिल किया गया है। स्वतंत्र मूल्यांकन समिति ने वास्तविक उपयोग, मापनीय लैंगिक प्रभाव और साक्ष्य–आधारित परिणामों के आधार पर इनका चयन किया। इन समाधानों में स्वास्थ्य सेवाएं, आर्थिक सशक्तिकरण, डिजिटल सुरक्षा, जलवायु अनुकूलन, न्याय तक पहुंच, शिक्षा और कौशल विकास जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

यह केसबुक नीति निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण ज्ञान संसाधन के रूप में कार्य करेगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई प्रणालियां नैतिक, समावेशी और महिलाओं व लड़कियों की विविध वास्तविकताओं के अनुरूप हों।

इतिहास के पन्नों में 28 फरवरी

नई दिल्ली, 27 फरवरी।

1568 – करीब चार महीने की घेराबंदी के बाद अकबर की सेना ने चितौड़गढ़ पर कब्जा किया।
1580 – गोवा से पहला ईसाई मिशनरी फतेहपुर सीकरी में मुगल बादशाह अकबर के दरबार में पहुंचा।
1712 – बहादुर शाह जफर ने लाहौर में अंतिम सांस ली।
1922 – मिस्र को एक स्वतंत्र राष्ट्र घोषित किया गया।
1928 – सी वी रमन ने रमन प्रभाव का आविष्कार किया, जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।
1936 – देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पत्नी कमला नेहरू का निधन।
1942 – दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जापान की सेना ने जावा के द्वीप पर कब्जा किया और यह द्वीप 1945 तक उनके कब्जे में रहा।
1948 – भारत की आजादी के तकरीबन छह माह बाद ब्रिटिश सेना की अंतिम टुकड़ी अपने देश लौट गई।
1949 – राष्ट्रमंडल समूह के सुदूर पूर्व के देशों ने नयी दिल्ली में बैठक के दौरान बर्मा के गृह युद्ध में मध्यस्थता की पेशकश की।
1986 – स्वीडन के प्रधानमंत्री ओलोफ पाल्मे की स्टॉकहोम में गोली मार कर हत्या।
1991 – खाड़ी में युद्ध विराम लागू।
1992 – भारत एवं ब्रिटेन के बीच आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग के समझौते पर हस्ताक्षर।
1993 – ईरान में भारी पैमाने पर आई बाढ़ में करीब 500 लोगों की मौत। इसे देश की अब तक की सबसे घातक प्राकृतिक आपदा कहा गया।
1994 – अ़रीका ने नामीबिया को पोर्ट एन्क्लेव बालिस बे सुपुर्द किया।
1996 – क्लिंटन प्रशासन ने पाकिस्तान को 35.6 करोड़ डॉलर के हथियार आपूर्ति न करने का फैसला किया।
1999 – कोलीन प्रेसकोट एवं एंडी एल्सन (ब्रिटेन) ने 233 घंटे 55 मिनट तक गुब्बारे की मदद से आकाश में रहने का विश्व रिकार्ड बनाया।
2002 – यूरो जोन के देशों में उनकी राष्ट्रीय मुद्रा के चलन का अंतिम दिन। इसके बाद सभी देशों की मुद्रा यूरो हुई।
2005 – मिलियन डालर बेबी को चार आस्कर पुरस्कार।

खतरे की घंटी है हद से ज्यादा जंक फूड का सेवन, ये चीजें हैं बेहतर विकल्प

नई दिल्ली, 27 फरवरी। बच्चे हों या बड़े, हर किसी का जंक फूड घरों में तेजी से जगह बनाता जा रहा है। शाम के वक्त छोटी भूख को मिटाने के लिए हेल्दी ऑप्शन की जगह लोग जंक फूड्स का सहारा लेते हैं क्योंकि वो तुरंत खाए जा सकते हैं लेकिन शरीर के लिए हानिकारक भी होते हैं। कभी–कभी बाहर का खाना शरीर को उतना नुकसान नहीं पहुंचाता लेकिन रोजाना शाम की भूख को मिटाने के लिए जंक फूड का सहारा लेना, शरीर को बीमार करने के लिए काफी है। इसलिए हम जंक फूड्स को रिप्लेस करने वाले हेल्दी ऑप्शन के बारे में बताएंगे, जो क्रेविंग को कम कर शरीर को अनगिनत लाभ देंगे।

फरवरी के महीने के बाद गर्मियां आना शुरू हो जाती है, सिर्फ सुबह और शाम की हल्की ठंड ही होती है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट और ठंडा रखने के लिए डिब्बाबंद पेय पदार्थों का सहारा लिया जाता है, जो आंत और लिवर दोनों को नुकसान पहुंचाते हैं। इसके बजाय नींबू पानी और शिकंजी पी जा सकती है, जो शरीर को हाइड्रेट भी रखेगी और चेहरे पर निखार भी लाएगी।

पिज्जा और बर्गर आज का फेवरेट जंक फूड बन चुका है, और सिर्फ बच्चे ही नहीं, बल्कि बड़े भी इसके स्वाद के दीवाने हैं। पिज्जा और बर्गर की बजाय बच्चों को ढोकला और सब्जियों के साथ मिक्स करके बनाई गई इडली खिला सकते हैं। इन व्यंजनों का स्वाद बड़ों से लेकर बच्चों तक को अच्छा लगेगा।

आइसक्रीम और मिठाई ही सभी को पसंद है, लेकिन

इसमें मौजूद प्रोसेस्ड चीनी मोटापे, मधुमेह और सूजन को बढ़ावा देती है। ज्यादा सेवन शरीर को बीमार और खोखला कर सकता है। इसके बजाय प्रा.तिक रूप से मीठे मौसमी फलों का सेवन किया जा सकता है, जो मीठे की क्रेविंग को कम कर स्वाद और पोषण दोनों देंगे।

छोटी भूख को खत्म करने के लिए सॉल्टेड चिप्स की डिमांड बढ़ती जा रही है। छोटे बच्चों में चिप्स बहुत ज्यादा पॉपुलर हैं लेकिन सेहत के लिए उतने ही खराब। ऐसे में सॉल्टेड चिप्स की जगह बच्चों को रोस्टेड मखाने, मूंगफली या चने दिए जा सकते हैं। मसाले और नींबू मिलाने के बाद इनका स्वाद और ज्यादा बढ़ जाता है।

अगर आप मांसाहारी हैं और प्रोसेस्ड मीट का सेवन करते हैं, तो इसकी जगह बीन्स, राजमा, चना और दालों का सेवन लाभकारी रहेगा क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन और आयरन दोनों होते हैं और बीपी और शुगर जैसी बीमारियों से भी बचाव करता है।

कला और परंपरा का भव्य संगमः मंडी हाउस में सजेगा 'दिल्ली कला उत्सव'

नई दिल्ली, 27 फरवरी। दिल्ली में संस्कार भारती दिल्ली सरकार के सहयोग से 28 फरवरी और 1 मार्च को मंडी हाउस स्थित रवींद्र भवन में दो दिवसीय भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम 'दिल्ली कला उत्सव' का आयोजन करेगा। उत्सव का उद्देश्य भारतीय कला, संस्कृति और परंपरा की विविध धाराओं को एक मंच पर प्रस्तुत करना है, जहां ख्यातिप्राप्त कलाकारों के साथ–साथ नवोदित प्रतिभाओं को भी अपनी कला दिखाने का अवसर मिलेगा। मंडी हाउस में आयोजित हो रहा यह 'दिल्ली कला उत्सव' का तीसरा संस्करण है, जिसे पूर्व वर्षों में व्यापक सराहना प्राप्त हुई है।

इसमें शास्त्रीय एवं लोक नृत्य, संगीत और गायन प्रस्तुतियां, नाट्य मंचन, कवि सम्मेलन, चित्रकला एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी सहित अनेक पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में कठपुतली कला बायस्कोप कुम्हार कला प्रदर्शन, पारंपरिक शिल्पकारों की सहभागिता बहुरूपिया जादू कला लाख की चूड़ियां लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां तथा पुस्तकों के स्टॉल शामिल हैं।

इस वर्ष उत्सव में 'दिल्ली–6' के पारंपरिक व्यंजन भी विशेष आकर्षण रहेंगे जहां आगंतुक सामान्य शुल्क पर पुरानी दिल्ली के प्रामाणिक स्वाद का आनंद ले सकेंगे। आयोजकों का कहना है कि कला के साथ–साथ सांस्कृतिक खान–पान का अनुभव भी इस आयोजन को विशिष्ट बनाता है।

प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक आयोजित होने वाला यह उत्सव आगामी होली पर्व से पूर्व राजधानी में सांस्तिक उत्साह का वातावरण तैयार करेगा। परिवारों विद्यार्थियों और कला प्रेमियों के लिए भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और परंपराओं को निकट से जानने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

दक्षिण अण्डमान में सामुदायिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु सप्ताहांत एवं साप्ताहिक योग सत्र ——— पृष्ठ 1 का शेष

S.NO	NAME OF THE FACILITY	DAY	VENUE
1	PHC/ AAM SWARAJ DWEEP	TUESDAY	PHC SWARAJ DWEEP
		SATARDAY	GOVIND NAGAR PANCHYAT HALL
2	SC/ AAM KRISHNA NAGAR	THURSDAY	AAM KRISHNA NAGAR
		SATURDAY	COMMUNITY HALL SHYAM NAGAR
3	SC/ AAM STRAIT ISLAND	TUESDAY	AAM STRAIT ISLAND
		SATURDAY	IN FRONT OF GUEST HOUSE
4	SC/ AAM KALA PATHER	TUESDAY	AAM KALA PATHER
		SATURDAY	COMMUNITY HALL VIJAY NAGAR
5	PHC/ AAM HUT BAY	TUESDAY	PHC HUTBAY
		SATURDAY	COMMUNITY HALL CYLONE BASTI
6	SC/ AAM ONGI TIKRY	TUESDAY	AAM ONGI TIKRY
		SATURDAY	COMMUNITY Hall
7	SC/ AAM FARM TIKRY	TUESDAY	AAM FARM TIKRY
		SATURDAY	COMMUNITY HALL
8	SC/ AAM HARMINDER BAY	TUESDAY	AAM HARMINDER BAY
		SATURDAY	COMMUNITY HALL HARMINDER BAY
9	SC/ AAM NETAJI NAGAR	TUESDAY	AAM NETAJI NAGAR
		SATURDAY	COMMUNITY HALL JANTA TIKRY
10	PHC/ AAM SHAHEED DWEEP	TUESDAY	PHC SHAHEED DWEEP
		SATURDAY	LAXMAN PUR BEACH
11	AAM SITA PUR	TUESDAY	AAM SITA PUR
		SATURDAY	SITA PUR BEACH
12	PHC/ AAM R K PUR	TUESDAY	PHC R K PUR
		SATURDAY	COMMUNITY HALL R K PUR
13	SC/ AAM V. K PUR	TUESDAY	AAM V K PUR
		SATURDAY	COMMUNITY HALL VK PUR
14	SC/ AAM RABINDRA NAGAR	TUESDAY	AAM RABINDRA NAGAR
		SATURDAY	COMMUNITY HALL RABINDRA NAGAR
15	SC/ AAM DOGONG CRECK	TUESDAY	AAM DOGONG CRECK
		SATURDAY	DOGONG CRECK ,GPS GROUND
16	CHC BAMBOO FLAT	TUESDAY	CHC, CONFERENCE HALL
		SATURDAY	BAMBOOFLAT, PANCHAYAT HALL 1
17	SC/ AAM TSUNAMI PAHAD	TUESDAY	AAM TSUNAMI PAHAD
		SATURDAY	VALVUR NAGAR PANCHYAT HALL
18	SC/ AAM HOPE TOWN	MONDAY	AAM HOPE TOWN
		SATURDAY	PANCHAYAT HALL HOPE TOWN
19	SC/ AAM STEWRTGUNJ	TUESDAY	AAM STEWARTGUNJ
		SATURDAY	GRAM PANCHAYAT HALL STWERTGUNJ
20	SC/ AAM SHORE POINT	TUESDAY	AAM SHORE POINT
		SATURDAY	PANCHAYAT HALL SHORE POINT
21	PHC/ AAM WIMBERLY GUNJ	TUESDAY	PHC WIMBERLY GUNJ
		SATURDAY	COMMUNITY HALL WIMBERLYGUNJ
22	SC/ AAM NAYA PURAM	TUESDAY	AAM NAYA PURAM
		SATURDAY	COMMUNITY HALL NAYAPURAM
23	SC/ AAM MANARGHAT	TUESDAY	AAM MANARGHAT
		SATURDAY	COMMUNITY HALL WRITE MYO & MALAPURAM
24	SC/ AAM SHOAL BAY -12	TUESDAY	AAM SHOL BAY -12
		SATURDAY	COMMUNITY HALL SHOLBAY -14
25	SC/ AAM SHOAL BAY -19	TUESDAY	AAM SHOL BAY -19
		SATURDAY	AWC SHOL BAY -19
26	PHC/ AAM FERRARGUNJ	MONDAY	PHC FERRARGUNJ
		SATURDAY	PANCHAYAT HALL , FERRARGUNJ
27	SC/ AAM JIRKATANG	TUESDAY	AAM JIRKATANG
		SATURDAY	AWC JIRKATANG
28	SC/ AAM MILE TILAK	MONDAY	AAM MILE TILAK
		SATURDAY	COMMUNITY HALL MILE TILAK
29	SC/ AAM MATHURA	MONDAY	AAM MATHURA
		SATURDAY	COMMUNITY HALL SHAITAN KHADI
30	PHC/ AAM TUSHNABAD	WEDNESDAY	PHC TUSHNABAD
		SATURDAY	OGRABRAJ COMMUNITY HALL
31	SC/ AAM TEMPLE MYO	MONDAY	AAM TEMPLE MYO
		SATURDAY	PANCHAYAT HALL TEMPLE MYO
32	SC/ AAM MITHA KHADI	TUESDAY	AAM MITHA KHADI
33	SC/ AAM NAMUNAGHAR	TUESDAY	AAM NAMUNAGHAR
		SATURDAY	NAMUNAGHAR
34	PHC/ AAM CHOULDARI	TUESDAY	PHC CHOULDARI
		SATURDAY	GRAM PANCHYAT CHOLDARI
35	SC/ AAM GOPAL NAGAR	TUESDAY	AAM GOPAL NAGAR
		SATURDAY	COMMUNITY HALL TSUNAMI SHELTER
36	PHC/ AAM MANGLUTAN	TUESDAY	PHC MANGLUTAN
		SATURDAY	HAMFRIGUNJ PANCHAYAT
37	SC/ AAM WANDOOR	TUESDAY	AAM WANDOOR
		SATURDAY	WANDOOR PANCHAYAT
38	SC/ AAM GUPTAPARA	TUESDAY	AAM GUPTAPARA
		SATURDAY	GUPTAPARA PANCHAYAT
39	SC/ AAM NAYASAHER	TUESDAY	AAM NAYASAHER
		SATURDAY	SIPPIGHAT COMMUNITY HALL
40	SC/ AAM RUT LAND	TUESDAY	SC RUT LAND
		SATURDAY	RM POINT
41	SC/ AAM SIPPIGHAT	TUESDAY	SC SIPPIGHAT
		SATURDAY	SIPPIGHAT PANCHYAT
42	PHC/ AAM GARACHARAMA	FRIDAY	PHC GARACHARMA
		SATURDAY	COMMUNITY HALL GARACHARMA
43	SC/ AAM NEW BIMBLITAN	MONDAY	AAM NEW BIMBLITAN
		SATURDAY	MAKKA PAHAD AWC
44	SC/ AAM TEYRLABAD	TUESDAY	AAM TEYRLABAD
		SATURDAY	AWC OLD BIMBLITAN -1
45	SC/ AAM CALICUT	TUESDAY	AAM CALICUT
		SATURDAY	COMMUNITY HALL CALICUT
46	SC/ AAM RANGACHANG	TUESDAY	AAM RANGACHANG
		SATURDAY	BARMANALLAH COMMUNITY HALL
47	SC/ AAM BRIJGUNJ	TUESDAY	AAM BRIJGUNJ
		SATURDAY	PRADHAN ROOM
48	SC/ AAM CARBYN QUARRY	MONDAY	AAM CARBYN QUARRY
		SATURDAY	BROOKSHABAD COMMUNITY HALL
49	SC/ AAM PROTHRAPUR	FRIDAY	AAM PROTHRAPUR
		SATURDAY	COMMUNITY HALL PROTHRAPUR
50	SC/ AAM BEODNABAD	TUESDAY	AAM BEODNABAD
		SATURDAY	COMMUNITY HALL BEODNABAD
51	UHC DAIRY FARM	TUESDAY	UHC DAIRY FARM
		FRIDAY	COMMUNITY HALL DAIRY FARM
52	UHC JUNGLIGHAT	TUESDAY	UHC JUNGLIGHAT
		FRIDAY	COMMUNITY HALL, NEAR ISLAND BAKERY
53	UHC DELANIPUR	MONDAY	UHC DELANIPUR
		SATURDAY	COMMUNITY HALL DELANIPUR
54	UHC HADDO	TUESDAY	UHC HADDO
		SATURDAY	COMMUNITY HALL HADDO
55	UHC SHADIPUR	MONDAY	UHC SHADIPUR
		SATURDAY	COMMUNITY HALL MAZAR PAHAD
56	AYUSH HOSPITAL	MONDAY to SATURDAY	AYUSH HOSPITAL, YOGA HALL *(At 05.00AM to 06.00 AM & 04.00 PM to 05.00PM)

किसी भी अतिरिक्त जानकारी के लिए, जनता अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से संपर्क कर सकती है और किसी भी शिकायत के लिए, टोल–फ्री नंबर 1077 के माध्यम से dhssouthandaman@gmail.com पर जिला प्रशासन से संपर्क कर सकती है।

फास्ट फूड स्टॉल उद्यमी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 27 फ़रवरी।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया–ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई), श्री विजय पुरम ने 12 दिवसीय फास्ट फूड स्टॉल उद्यमी पाठ्यक्रम पूरा किया, जिसमें श्री विजय पुरम के विभिन्न हिस्सों से 34 बेरोज़गार महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन समारोह में एएनसीसीआई के अध्यक्ष डॉ. के. चंद्रशेखरन ने महिलाओं की सराहना की और कहा कि उन्होंने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया और एएनसीसीआई से सभी समर्थन की गारंटी दी। श्री पी. के. उमर फ़ारूक़, चीफ मैनेजर, यूटीएलबीसी, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने महिलाओं को इस व्यवसाय के माध्यम से आय सृजन के लिए बधाई दी और नगर क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को पीएम स्वनिधि योजना का लाभ उठाने और एसवीपीएमसी के माध्यम से स्ट्रीट वेंडर के रूप में पंजीकरण कराने की सलाह दी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के निदेशक श्री सी. राज ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को लगभग 36 व्यंजनों की तैयारी का प्रशिक्षण दिया गया और साथ ही सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, बैंक जमा और ऋण योजनाओं, साइबर धोखाधड़ी आदि के बारे में जानकारी भी दी गई। समापन समारोह में प्रमाण पत्र वितरण और धन्यवाद ज्ञापन श्री एस. कालिस्वरन, संस्थान के संकाय द्वारा किया गया।

महिला दिवस शतरंज प्रतियोगिता

श्री विजय पुरम, 27 फरवरी।

अण्डमान निकोबार शतरंज एसोसिएशन (एएनसीए) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 8 मार्च, 2026 को महिला दिवस शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन करेगा। यह प्रतियोगिता एएनसीए चेस सेंटर, डेयरी फार्म, श्री विजय पुरम में आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य शतरंज में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना तथा इस खेल में उनकी बढ़ती उपस्थिति एवं उपलब्धियों को रेखांकित करना है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रवेश निःशुल्क है। तथापि, वर्ष 2025–26 के लिए एआईसीएफ पंजीकरण अनिवार्य है। इच्छुक महिला खिलाड़ी 6 मार्च, 2026 को सायं 5.30 बजे तक पंजीकरण करा सकती हैं। अधिक जानकारी एवं पंजीकरण हेतु इच्छुक प्रतिभागी कार्यालय कार्यकारी, एएनसीए से 9933217055 पर संपर्क कर सकते हैं या anchessassociation@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं।

फ्लाइट टिकट नियमों में बड़े बदलाव, एयरलाइंस को टिकट वापसी का पैसा 14 वर्किंग डे में लौटाना होगा

नई दिल्ली, 27 फरवरी।

नागर विमानन महानिदेशालय ने एयर टिकट वापसी से जुड़े नियमों में कई अहम बदलाव किए हैं। नए नियम के मुताबिक एयरलाइंस को टिकट वापसी का पैसा 14 वर्किंग डे में लौटाना होगा। अगर कोई यात्री टिकट बुकिंग के 48 घंटे के भीतर टिकट रद्द करता है या उसे बदलता है तो कोई अतिरिक्त पैसा नहीं देना होगा।

डीजीसीए ने 24 फरवरी को नए नियम जारी किए हैं। दरअसल, यात्री से लगातार रिफंड मिलने में देरी की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद ही डीजीसीए ने नागर विमानन आवश्यकताओं में बदलाव करने का फैसला किया।

डीजीसीए ने कहा कि अगर यात्री बुकिंग के 24 घंटों के भीतर किसी प्रकार की गलती की जानकारी देता है और टिकट को एयरलाइन की वेबसाइट से बुक किया गया है तो एयरलाइंस उस व्यक्ति के नाम पर सुधार के लिए कोई अतिरिक्त पैसा नहीं ले सकेंगी। मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में टिकट कैंसिल करने के नियमों में भी संशोधन किया गया है। नए नियमों के मुताबिक यात्री अब बुकिंग करने के 48 घंटे के अंदर बिना कोई अतिरिक्त शुल्क के एयर टिकट कैंसिल या बदल सकते हैं।

आगे यह भी कहा कि अगर एयर टिकट ट्रैवल एजेंट और पोर्टल के माध्यम से बुक किया गया है तो रिफंड की जिम्मेदारी एयरलाइंस की होगी, क्योंकि एजेंट उनके नियुक्त प्रतिनिधि होते हैं। इसके अलावा एयरलाइसं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि पैसे वापस करने की प्रक्रिया 14 वर्किंग डे के भीतर पूरी हो सके। बता दें कि रिफंड के मामले में एयरलाइंस मनमाना तरीका अपना रही थीं। इस वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का भी सामना करना पड़ता था।

क्यों मनाया जाता है हर साल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस? जानें क्या है साल 2026 की थीम

नई दिल्ली, 27 फरवरी।

हर साल 28 फरवरी को पूरे भारत में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1928 में सी.वी रमन द्वारा किए गए 'रमन प्रभाव' क्रांतिकारी खोज के उपलक्ष्य पर मनाया जाता है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए साल 1930 उन्हें नोबेल पुरस्कार से भी नवाजा गया था। भौतिकी में नोबेल पुरस्कार पाने वाले वह केवल भारत के ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया के पहले वैज्ञानिक थे।

हर साल 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' सी.वी रमन द्वारा की गई खोज 'रमन प्रभाव' के उपलक्ष्य के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। उन्हें इस खोज के लिए भारत सरकार से नोबेल पुरस्कार भी मिला था। बता दें, भारत में हर साल 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाने के लिए सबसे पहला प्रस्ताव साल 1986 में राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद (छैब्ज्ब्) द्वारा पेश किया गया था। जिसके बाद 28 फरवरी, 1987 को भारत में पहला राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया था।

सी.वी रमन का पूरा नाम 'चंद्रशेखर वेंकट रमन' है। उन्हें भारत में उनके द्वारा किए गए वैज्ञानिक खोजों के लिए जाना जाता है। उनका जन्म तमिलनाडु के तिरुचिलापल्ली में 07 नवंबर, 1888 में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती शिक्षा विशाखापट्टनम के सेंट एलॉयसिस एंगलो–इंडियन हाईस्कूल से पूरी की थी। जिसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए मद्रास के प्रेसीडेंसी कॉलेज का रुख किया।

हर साल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भारत में एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। यह थीम विज्ञान दिवस, विज्ञान और नवाचारों पर आधारित होती है। विशेष थीम के जरिये युवाओं को विज्ञान के प्रति जागरूक किया जाता है। बता दें, इस साल विज्ञान दिवस 2026 की थीम (Women in Science, Catalysing Viksit Bharat) है। इस थीम का मुख्य उद्देश्य विज्ञान क्षेत्र में विकसित भारत लक्ष्य के तहत साल 2047 तक विज्ञान में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है।

सी.वी रमन ने 'रमन प्रभाव' की खोज की थी। उनकी खोज के मुताबिक प्रकाश कभी भी सीधी लाइन में नहीं चलता है। इसके साथ ही जब भी प्रकाश की किरणें किसी पारदर्शी माध्यम से टकराती हैं, तो उसके स्वभाव में परिवर्तन होता है। उनकी इसी खोज के कारण दुनिया को क्रिस्टल के आंतरिक संरचना के बारे में गहराई से जानने का अवसर मिला था।

होली से पहले चेहरे की सुरक्षा क्यों है जरूरी? रंगों से पहले स्किन को ऐसे करें तैयार

नई दिल्ली, 27 फरवरी।

होली रंगों और खुशी का त्योहार है। इस दिन जितनी खुशी रंग लगाने में होती है, उतनी ही परेशानी बाद में चेहरे से रंगों को हटाने में होती है। आजकल बाजार में मिलने वाले ज्यादातर रंग केमिकल से बने होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए होली खेलने से पहले चेहरे की सही देखभाल बेहद जरूरी हो जाती है।

चेहरे की त्वचा शरीर के बाकी हिस्सों की तुलना में ज्यादा नाजुक होती है। अगर इसे पहले से सुरक्षित न किया जाए, तो रंग त्वचा के रोमछिद्रों में घुस जाते हैं। इससे जलन, खुजली, लालपन, रैशेज और बाद में दाग–धब्बों की समस्या हो सकती है। विज्ञान के अनुसार, अगर त्वचा पर पहले से एक सुरक्षात्मक परत बना दी जाए, तो रंग सीधे स्किन के संपर्क में नहीं आते और बाद में आसानी से साफ हो जाते हैं।

होली से एक–दो दिन पहले चेहरे की हल्की सफाई बेहद जरूरी होती है। किसी माइल्ड फेसवॉश से चेहरा साफ करना चाहिए ताकि स्किन पर जमा गंदगी निकल जाए। साफ त्वचा पर लगाया गया मॉइस्चराइजर ज्यादा अच्छे से काम करता है। इसके बाद चेहरे पर अच्छी मात्रा में नारियल तेल, बादाम तेल या एलोवेरा जेल लगाना फायदेमंद माना जाता है। ये चीजें त्वचा पर एक नेचुरल लेयर बना देती हैं, जिससे रंग अंदर तक नहीं जा पाते।

होली के दिन बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाना भी बहुत जरूरी है। अक्सर लोग सोचते हैं कि रंग खेलने में सनस्क्रीन की जरूरत नहीं होती, लेकिन धूप और केमिकल रंग मिलकर त्वचा को दोगुना नुकसान पहुंचा सकते हैं।

सनस्क्रीन त्वचा को सूरज की तेज किरणों से बचाने के साथ–साथ रंगों के असर को भी कुछ हद तक कम करता है।

होली खेलते समय चेहरे को बार–बार पानी से धोना या रगड़ना सही नहीं होता। ऐसा करने से रंग और ज्यादा गहराई में चला जाता है। बेहतर है कि रंग लगे रहने दें और खेलने के बाद ही चेहरे की सफाई करें। सफाई के समय भी हार्श साबुन या स्क्रब का इस्तेमाल न करें। हल्के क्लींजर या कच्चे दूध से धीरे–धीरे रंग निकालें।

होली के बाद चेहरे पर मॉइस्चराइज़र और एलोवेरा जेल लगाना बहुत जरूरी है। रंग और पानी से त्वचा की नमी खत्म हो जाती है, जिससे रूखापन बढ़ सकता है। मॉइस्चराइजर त्वचा को दोबारा संतुलन में लाने में मदद करता है। अगर किसी को पहले से एलर्जी, एक्ने या संवेदनशील त्वचा की समस्या है, तो उन्हें खास सावधानी बरतनी चाहिए। ऐसे लोग केमिकल रंगों से दूरी बनाए रखें और हो सके तो हर्बल या घर पर बने रंगों का ही इस्तेमाल करें।